



## भारत में होगा भुगतान से संबंधित डेटा का संचयन

### चर्चा में क्यों?

भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI) ने भुगतान से संबंधित नए नरिदेश जारी किये हैं। अब किसी भी प्रकार का डेटा एवं सूचनाएँ, जो भुगतान (Payment transactions) से संबंधित हो, उनका भारत में ही भंडारण किया जाएगा।

### मुख्य बदि

- इस नरिदेश के बाद भुगतान से संबंधित डेटा का भारत में ही संचय किया जाएगा। यदि भुगतान से संबंधित ऐसा कोई डेटा या सूचना देश से बाहर संसाधित हो रहा है, तो उसको भी एक व्यापार दविस अथवा 24 घंटे, जो भी पहले हो, के भीतर भारत में वापस लाया जाएगा तथा संसाधित स्रोत पर उसे नष्ट करना भी ज़रुरी होगा।
- भुगतान सेवा प्रदाता कंपनियों नरिबाध डेटा प्रवाह के पक्ष में है तथा इसके लिये पैरवी भी कर रही है। उनका तर्क है कि यह उपभोक्ताओं के हितों में है।
- सरकार डेटा मरिररगि (Data Mirroring) द्वारा आसानी से डेटा-स्थानीयकरण (Data Localisation) को आगे बढ़ा रही है लेकिन इससे संबंधित सरकार की नीति इस बजट सत्र में आने वाले डेटा संरक्षण वधियक के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।
- हालाँकि RBI का कहना है कि भारत में ही डेटा के संचयन के बावजूद कंपनियों उपभोक्ता से संबंधित वविविधों को सुलझाने में डेटा का उपयोग कर सकती है। साथ ही यदि भुगतान अंतरदेशीय है, तो ऐसे डाटा की एक प्रतऱ देश से बाहर भी रखी जा सकती है। यदि आवश्यक होगा तो ऐसे डेटा को RBI की सहमती के पश्चात् वदिशी वनियामकों के साथ भी शेयर किया जा सकता है।
- वदिश में डेटा प्रसंसकरण को लेकर RBI का रुख स्पष्ट होने से कंपनियों को भवषिय के संदर्भ में अपनी प्रणाली में बदलाव करने में आसानी होगी लेकिन कंपनियों की दृष्टऱ से सरिफ भारत में ही डेटा का संचयन समस्या पैदा कर सकता है।
- RBI ने अपरैल 2018 में डेटा स्थानीयकरण के संबंध में दशिा-नरिदेश जारी किये थे और कंपनियों को इन नयिओं के अनुपालन के लिये छः माह का समय दिया गया था। इन नयिओं के संबंध में कंपनियों के वरिध के बावजूद केंद्रीय बैंक ने अपने नरिदेशों में किसी भी प्रकार का बदलाव नहीं किया। अब भुगतान क्षेत्र से संबंधित कंपनियों इन नयिओं के अनुसार अपनी प्रणाली में बदलाव कर रही हैं।

### डेटा-स्थानीयकरण

#### (Data Localisation)

- डेटा स्थानीयकरण का अर्थ है कि भारतीय नागरिकों से संबंधित जानकारी या सूचनाओं का संकलन भारत में ही प्रसंसकृत एवं संचित किया जाएगा। कोई भी कंपनी न तो देश के बाहर डेटा को ले जा सकती है और न ही देश से बाहर इसका उपयोग कर सकती है।

### डेटा मरिररगि (Data Mirroring)

- वास्तविक समय में एक स्थान से एक संग्रहण डविइस (Storage Device) में डेटा की प्रतलिपि बनाने का कार्य।
- इस प्रक्रिया से डेटा पर नगिरानी रखी जा सकती है, साथ ही किसी आपात स्थिति के कारण यदि डेटा नष्ट हो जाता है तो दोबारा डेटा को उत्पन्न किया जा सकता है।

स्रोत: बज़िनेस स्टैंडर्ड्स

